हे हमारे पिता,

तू जो स्वर्ग मे है,

तेरा नाम पवित्र माना जाए ।

तेरा राज्य आए ।

तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है,

वैसे पृथ्वी पर भी हो ।

हमारे दिन भर की रोटी आज हमे दे ।

और जिस प्रकार हम ने अपने
अपराधियो को क्षामा किया है

वैसे ही तू भी
हमारे अपराधो को क्षामा कर ।

और हमे परीक्षा मे न ला,
परंतु बुराइ से बचा,

क्योकि राज्य और महिमा
सदा तेरे ही है ।

(आमीन)